सांध्य दैनिक
4PM

फूलों की सुगंध केवल वायु की दिशा में फैलती है लेकिन एक व्यक्ति की अच्छाई हर दिशा में फैलती है।

-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 130 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 15 जून, 2022

अचानक होने वाले दंगों में हेलिकॉप्टर से... 8 | मिशन 2024 की तैयारी में जुटी... 3 | भाजपा सबसे बड़ी जातिवादी पार्टी... 7

बोर्ड परीक्षा परिणामों को लेकर सीएम सख्त, बोले

समय से जारी करें रिजल्ट

परीक्षार्थियों और अभिभावकों को दी जाए पूर्व सूचना

» अभी तक तारीखों का नहीं किया गया है ऐलान

» लाखों छात्रों के भाग्य का होना है फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी बोर्ड के परीक्षा परिणाम को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यूपी बोर्ड परीक्षा परिणामों को समय से जारी करें। सीएम के आदेश के बाद उम्मीद है कि यूपी बोर्ड की दसवीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम जल्द आएंगे।

टीम नाइन की बैठक में सीएम योगी ने कहा कि परीक्षार्थियों को अपने परीक्षा परिणामों की प्रतीक्षा रहती है। ऐसे में यूपी बोर्ड परीक्षा के परिणामों को समय पर जारी किया जाए। साथ ही इसकी पूर्व सूचना अभिभावकों और परीक्षार्थियों को जरूर दी जाए। परीक्षा परिणाम को लेकर लगातार कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि अभी आधिकारिक तौर पर कोई तारीख नहीं बताई गई है। गौरतलब है कि प्रदेश के 52 लाख से ज्यादा छात्रों ने 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था, जिसमें से 47 लाख से ज्यादा छात्रों ने परीक्षाएं दी थीं। सीएम के आदेश के बाद जल्द ही बोर्ड परीक्षा परिणामों की तारीखों का ऐलान हो सकता है।

अग्निवीरों को यूपी पुलिस और अन्य सेवाओं में मिलेगी प्राथमिकता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐलान किया कि भारतीय सेना में सेवा देने के बाद अग्निवीरों को यूपी पुलिस और उससे जुड़ी अन्य सेवाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मंत्रालय ने सेना में चार साल की सेवा पूरी करने के बाद अग्निवीरों को केंद्रीय सैन्य पुलिस बल और असम राइफल्स में प्राथमिकता देने का फैसला किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कल जल, थल और वायुसेना में चार साल के लिए अग्निपथ भर्ती योजना के तहत अग्निवीरों की भर्ती की घोषणा की थी।

सीएम योगी ने अपने कू हैंडल पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, 'मां भारती की सेवा के उपरांत

अग्निवीरों को यूपी सरकार प्रदेश पुलिस एवं संबंधित अन्य सेवाओं में प्राथमिकता प्रदान करेगी। युवाओं के उन्नयन एवं उनके सुरक्षित भविष्य के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार सतत समर्पित व पूर्णतः प्रतिबद्ध है। जय हिंद।' वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अग्निपथ के तहत भर्ती होने वले अग्निवीरों के लिए बड़ा ऐलान किया है। मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा कि अग्निपथ योजना के युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए पीएम मोदी का एक दूरदर्शी और स्वागत योग्य निर्णय है इसलिए इस योजना में चार साल पूरा करने वाले अग्निवीरों को सीएपीएफ और असम राइफल्स में भर्ती में प्राथमिकता दी जाएगी। इस योजना के तहत 4 साल के लिए युवाओं को भर्ती किया जाएगा। फिर जब वे नौकरी से मुक्त होंगे तो उन्हें सेवा निधि पैकेज दिया जाएगा। इस योजना के तहत भर्ती होने वाले सैनिकों को अग्निवीर कहा जाएगा।

कोरोना के बूस्टर डोज को चलाएं जागरूकता अभियान

सीएम ने कोरोना टीकाकरण को लेकर भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 18 से अधिक आयु की पूरी आबादी को टीके की कम से कम एक डोज लग चुकी है जबकि 94.79 प्रतिशत से अधिक वयस्क लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है। इसी प्रकार 12 से 14 आयु वर्ग के 92 प्रतिशत से अधिक बच्चों को टीके की पहली डोज और 52 प्रतिशत को

दोनों डोज दी जा चुकी है। बूस्टर डोज की महत्ता और बूस्टर टीकाकरण केंद्रों के बारे में आमजन को जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीद की प्रक्रिया आगामी 30 जून तक जारी रखी जाए। क्रय अवधि बढ़ाने का आदेश तत्काल लागू करें। एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस के बेड़े में और बढ़ोतरी आवश्यक है। 9000 से अधिक एएनएम की नियुक्ति प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराएं।

राहुल से पूछताछ पर उग्र हुए कांग्रेसी, पुलिस से झड़प

» ईडी दफ्तर के बाहर टायरों में लगाई आग, धरने पर बैठे

» नेशनल हेराल्ड केस में तीन दिन से हो रही है पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दफ्तर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से तीसरे दिन चल रही पूछताछ के बीच कांग्रेसी उग्र हो गए। उन्होंने बैरिकेड तोड़ दिए और ईडी दफ्तर के बाहर टायरों में आग लगाकर विरोध जताया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प भी हुई। कई नेता हिरासत में लिए गए हैं।

ईडी की जांच और पुलिस कार्रवाई से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ईडी दफ्तर से कुछ दूरी पर टायरों में आग लगा दी। दिल्ली पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और आग बुझाई। वहीं कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, अजय माकन समेत कई बड़े नेता सड़क पर धरने पर बैठ गए। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पुलिस के कार्रवाई पर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ये सब याद रखा जाएगा। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा, क्या हम आतंकवादी हैं। तुम हमसे क्यों डरते हो। वे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस बल का इस्तेमाल कर रहे हैं। गौरतलब है कि जांच एजेंसी द्वारा नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राहुल गांधी से हो रही पूछताछ के दौरान तीन दिनों से हंगामा जारी है।

राम की भूमि राजनीतिक नहीं आया हूं प्रार्थना करनेः आदित्य

» लखनऊ में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री का शिवसैनिकों ने किया स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री आदित्य ठाकरे आज अयोध्या दौरे पर हैं। वे आज सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे। जहां शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने उनको जोरदार स्वागत किया। अयोध्या रवाना होने से पहले आदित्य ठाकरे ने कहा कि जब हम 2018 में पहली बार यहां आए थे, तो हमने कहा था पहले मंदिर, फिर सरकार।

उन्होंने कहा कि मैं यहां प्रार्थना करने और आशीर्वाद लेने आया हूं। यह भूमि राजनीतिक नहीं है। यह राम राज्य की भूमि है। अयोध्या भारत की आस्था से जुड़ी हुई है और हमारी भी यहीं आस्था है। हम यहां आते रहते हैं और राम मंदिर के निर्माण के बाद हम यहां सिर्फ प्रार्थना करने आए हैं। आदित्य अयोध्या में रामलला के दर्शन-पूजन करेंगे।

मर्यादा में रहें और विवादित बयानबाजी न करें मंत्री : योगी

» उपचुनाव में पूरी ताकत के साथ जुटेगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों को मंत्री पद की मर्यादा के अनुरूप व्यवहार करने और विवादित बयानबाजी नहीं करने की नसीहत दी है। मुख्यमंत्री ने खासतौर पर भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता नुपूर शर्मा के बयान पर स्वयं की ओर से किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया नहीं देने को कहा है। लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मंत्रिमंडल की बैठक में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सभी मंत्री पद एवं दायित्व की मर्यादा के अनुरूप ही आचरण करें।

मंत्री की ओर से दिए गए किसी भी विवादित बयान का जनता में संदेश जाता है और इसका प्रभाव सरकार की छवि पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता नुपुर शर्मा को विवादित बयान के बाद पार्टी ने निलंबित कर दिया है। फिर भी विवाद थम नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि नुपुर शर्मा के मामले में भाजपा की ओर से जो बयान जारी किया जाएगा, सभी मंत्रियों को उससे इतर कुछ नहीं बोलना है।

उन्होंने मंत्रियों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र के साथ प्रभार वाले जिलों में भी इस मुद्दे पर कानून व्यवस्था की निगरानी करने को कहा। सीएम योगी ने कहा आमजगढ़ और रामपुर लोकसभा क्षेत्र के उपचुनाव में योगी सरकार पूरी ताकत के साथ जुटेगी। मंत्रिमंडल की बैठक में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना के नेतृत्व में पश्चिमी यूपी के मंत्रियों को रामपुर में तैनात किया गया। वहीं कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के नेतृत्व में अवध और पूर्वांचल के मंत्रियों को आजमगढ़ में चुनाव प्रचार व प्रबंधन के लिए तैनात करने का निर्णय किया गया। बता दें कि उपचुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक दोनों लोकसभा क्षेत्रों में सभा, रैलियां, रोड शो और चुनावी बैठकें करेंगे। वहीं आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा उपचुनाव के बाद मंत्री समूह सभी 18 मंडलों के दौरे पर फिर जाएंगे। दूसरे दौर के बाद मंडलों की रिपोर्ट पेश करेंगे।

डबल इंजन के दम पर विकास का रथ आगे बढ़ाएगी उत्तराखंड सरकार

» बजट में महिलाओं और युवाओं पर धामी सरकार का फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड की धामी सरकार डबल इंजन के दम से अपने विकास के रथ को तेजी से आगे बढ़ाने का प्रयास करेगी। कल विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए पेश किए गए 65571 करोड़ 49 लाख रुपये के धामी सरकार के पहले बजट में केंद्र पोषित योजनाओं के तहत 21452 करोड़ रुपये की धनराशि मिलने की आशा की गई है जो कुल बजट का 32 प्रतिशत से अधिक है। राज्य के अवस्थापना विकास के लिए सरकार पहले से चल रही केंद्र और बाह्य सहायतित योजनाओं पर फोकस करेगी।

बजट वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने पेश किया। धामी सरकार के बजट का आकार पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में बड़ा है। माना जाए तो अब तक का सबसे बड़ा बजट है। पिछले वित्तीय वर्ष में 57400 करोड़ 32 लाख रुपये की व्यवस्था की गई थी। इस साल इसे बढ़ाकर 65571.49 करोड़ रुपये किया गया है। हालांकि इस राशि में 21 हजार एक सौ सोलह करोड़ 81 लाख की लेखानुदान की धनराशि भी शामिल है जो चार माह के लिए मंजूर की गई थी। बजट में सरकार ने किसानों, व्यापारियों, युवाओं और महिलावर्ग का खास तौर पर ध्यान रखा है। व्यापारियों के दुर्घटना बीमा की राशि को दोगुना करने, पर्वतीय क्षेत्रों में राजस्व पुलिस(पटवारियों) को मोटरसाइकिल देने, स्थानीय फसलों के लिए नई योजना चलाने की घोषणा की गई है। गौ सदनों को बनाने के लिए बजट में राशि को छह गुना और समान नागरिक संहिता के लिए बजट में अलग से व्यवस्था कर भाजपा सरकार ने अपने राजनीतिक एजेंडे को धार देने की कोशिश भी की है। बजट में पार्टी के चुनाव दृष्टि पत्र की कुछ घोषणाओं के लिए भी वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। इनमें अंत्योदय के 184000 कार्डधारकों को साल में तीन बार रसोई गैस का मुफ्त सिलेंडर दिया जाना भी है, जिसके लिए वित्तीय प्रावधान किया गया है। बजट का करीब 48.86 फीसदी हिस्सा कर्मचारियों के वेतन, मजदूरी व पेंशन के अलावा पिछले सालों में लिए कर्ज के ब्याज की अदायगी पर खर्च होगा। कर्मचारियों के वेतन पर 17350.21 करोड़ रुपये खर्च करेगी, जबकि पेंशन मद में 6703.10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कर्ज पर ब्याज चुकाने के लिए पूरे साल में सरकार 6017.85 करोड़ रुपये व्यय करेगी। सरकार ने बजट में कोई नया कर नहीं लगाया है। इस लिहाज से बजट करमुक्त है। बजट में राजस्व घाटे का अनुमान भी नहीं है। अलबत्ता 8503.70 करोड़ रुपये राजकोषीय घाटा का अनुमान है।

यूपी सरकार का बड़ा तोहफा, अब सिर्फ 6 हजार में प्रापर्टी गिफ्ट डीड

» ब्लड रिलेशन में होने वाली रजिस्ट्री पर नहीं देना होगा शुल्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने संपत्ति अपनों के नाम करने वालों को बड़ा तोहफा दिया है। अब प्रदेश में ब्लड रिलेशन में होने वाली रजिस्ट्री पर कोई भी स्टांप शुल्क नहीं देना होगा, मात्र पांच हजार के स्टाम्प पर रजिस्ट्री होगी और एक हजार प्रोसेसिंग फीस लगेगी। योगी सरकार ने कैबिनेट से इस प्रस्ताव को पास कर दिया है। योगी सरकार ने अब अपनों के नाम संपत्ति करने के लिए गिफ्ट डीड (दान विलेख) में 6 हजार रुपये के स्टाम्प पर रजिस्ट्री की सुविधा प्रदान की है।

सरकार ने इस कैटेगरी के मुताबिक परिवार के अंदर माता-पिता, पति-पत्नी, पुत्र-पुत्र वधू, पुत्री-दामाद, सगा भाई-सगी बहन, पुत्र-पुत्री का बेटा-बेटी आएंगे। अभी तक परिवार के अंदर गिफ्ट डीड में भी डीएम सर्किल रेट के हिसाब से रुपए खर्च करने पड़ते थे, जिसमें अगर कोई 50 लाख की संपत्ति है तो उसके लिए कम से कम 4 लाख 20 हजार खर्च करने पड़ते थे, लेकिन अब मात्र 6 हजार में यह काम हो जाएगा, यानी योगी सरकार ने यूपी के परिवारों को बड़ा तोहफा दिया है। हालांकि यह योजना अभी पायलट प्रोजेक्ट के तहत शुरू की गई है।

डिंपल ने बजरंग बली के भक्तों को बांटा प्रसाद

फोटो: सुमित कुमार

» आखिरी बड़े मंगल पर डिंपल ने किया भंडारे का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ज्येष्ठ माह के आखिरी बड़े मंगल पर राजधानी में जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया गया। पूजा पाठ करने के बाद हनुमान जी के नाम पर भक्तों को प्रसाद बांटा गया। शहर में अलग-अलग जगहों पर मंदिरों के सामने लोगों ने सब्जी-पूड़ी, छोला-चावल और शरबत बांटा। इस मौके पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने भी अपने घर के सामने भंडारा किया, जिसमें उन्होंने प्रसाद बांटा।

कार्यक्रम में डिंपल यादव के परिजन भी शामिल हुए। डिंपल यादव ने विवेकानंद मार्ग पर स्थित अपने आवास के सामने हनुमान मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया, जिसमें सब्जी-पूड़ी और बूंदी बांटी।डिंपल यादव कन्नौज से सांसद रह चुकी हैं। इस बार उनके आजमगढ़ के लोकसभा उपचुनाव में प्रत्याशी बनने के कयास लगाए जा रहे थे, पर ऐसा नहीं हो सका।

जमीन दान देने वालों के नाम से अस्पतालों का हो सकेगा नामकरण

» नई नियमावली को कैबिनेट बैठक में मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग उत्तर प्रदेश

लखनऊ। स्वास्थ्य विभाग अब आबादी क्षेत्र में जमीन खरीद कर नया अस्पताल बना सकेगा। यदि कोई व्यक्ति अपनी जमीन अस्पताल के लिए दान करता है तो संबंधित अस्पताल का नामकरण उसके या उसके परिजन के नाम पर किया जा सकेगा।

इस संबंध में नई नियमावली बनाई गई है। इस नियमावली को मंगलवार को कैबिनेट बैठक में मंजूरी दे दी गई है। प्रदेश में अब तक सरकारी अस्पतालों का निर्माण ग्राम समाज अथवा अन्य सरकारी जमीन पर किया जाता है। यह जमीन आबादी क्षेत्र से काफी दूर होती है। ऐसे में यहां चिकित्सक व चिकित्साकर्मी रहने से कतराते हैं। सुनसान इलाके में अस्पताल होने से उनकी सुरक्षा भी प्रभावित होती है। स्वास्थ्य विभाग के सर्वे में यह बात सामने आई कि यदि आबादी क्षेत्र में अस्पताल रहे तो उसके रखरखाव व सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था हो सकेगी और स्टॉफ भी रुकने से परहेज नहीं करेगा। इसके मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण एवं क्रय किए जाने के संबंध में नई नियमावली तैयार की है।

मिशन 2024 की तैयारी में जुटी भाजपा, आजमाएगी पुराना फार्मूला

» बूथ जीता तो चुनाव जीता की रणनीति पर पार्टी

» सांसद और विधायकों की टीमें की गईं गठित

» तीन कैटेगरी में बांटे गए बूथ, कमजोर बूथों पर फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटी भाजपा अब मिशन 2024 की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए पार्टी का शीर्ष नेतृत्व एक बार फिर पुराना फार्मूला आजमाएगी। बूथ जीता तो चुनाव जीता की रणनीति तैयार की गयी है। बूथों को मजबूत करने के लिए सांसदों और विधायकों की टीमें गठित की गयी हैं। इसके अलावा कमजोर बूथों पर विशेष फोकस की रणनीति बनायी गयी है।

बूथ जीता तो चुनाव जीता के अपने पुराने और फुल प्रूफ फार्मूले को भाजपा ने 2024 के लोक सभा चुनाव के लिए अभी से लागू कर दिया है। बाकायदा ए, बी और सी कैटेगरी बनाकर इसके लिए सांसदों व विधायकों की जिम्मेदारी भी तय कर दी है। उनकी टीम भी बना दी गई है। सांसदों को सभी विधान सभा क्षेत्रों के लिए छह-छह सदस्यों की टीम दी गई है। विधायक 10 कार्यकर्ताओं की टीम के साथ अपने-अपने विधान सभा क्षेत्र में कमजोर बूथों की मजबूती के लिए कार्य करेंगे। पार्टी नेतृत्व की ओर से उन्हें कमजोर बूथों पर कैंप करने का निर्देश मिल चुका है। कैटेगरी का निर्धारण पार्टी ने इस बार अलग फार्मूले पर किया है। इस बार मजबूत, कम मजबूत, कमजोर के फार्मूले पर कार्यकर्ताओं को काम नहीं करना है बल्कि केवल कमजोर बूथों की कैटेगरी बनाई गई है। इनमें कम अंतर से हार वाले बूथों को ए, ज्यादा अंतर से हारने वाले बूथों को बी और बुरी तरह हारने वालों बूथों को सी कैटेगरी में रखा गया है। कम अंतर से हारने वाले बूथों पर पार्टी का विशेष ध्यान है।

चार चुनाव के आधार पर निर्धारित की गई कैटेगरी

कमजोर बूथों की कैटेगरी निर्धारित करने के लिए भाजपा ने पिछले चार चुनावों को आधार बनाया है। इनमें 2014 व 2019 के लोक सभा चुनाव और 2017 व 2022 के विधान सभा चुनाव शामिल हैं। बूथों को लेकर क्षेत्र से मिली जानकारी के आधार पर कटेगरी का निर्धारण प्रदेश नेतृत्व की ओर से किया गया है। लोक सभा क्षेत्रवार कैटेगरी के साथ चिन्हित किए गए कमजोर बूथों की सूची मिलने के बाद उनकी मजबूती के लिए क्षेत्रीय टीम के सहयोग से सांसदों और विधायकों ने कार्य करना शुरू कर दिया है।

हर बूथ की अलग अलग प्लानिंग

पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इन बूथों पर आसानी से वर्चस्व बनाया जा सकता है। ज्यादा अंतर से हारने वाले बी केटेगरी के बूथों पर मतदाताओं को कार्यशाला और संगोष्ठी के जरिए जोड़ने की योजना बनाई गई है। सी कैटेगरी के बूथों पर पकड़ बनाने के लिए सांसदों और विधायकों को कहा गया है कि वह कल्याणकारी योजनाओं को हथियार बनाएं। योजना के लाभार्थियों के साथ चौपाल लगाएं। जिन बूथों पर कार्यकर्ताओं के अभाव में अभी तक बूथ समिति भी गठित नहीं हो सकी, वहां लाभार्थियों को पार्टी से जोड़कर बूथ समिति बनाएं। जनप्रतिनिधियों से कहा गया है कि सी केटेगरी के बूथों पर लाभार्थियों का डाटा तैयार करके ही जाएं, जिससे उन्हें चिन्हित करना आसान हो। गोरखपुर के क्षेत्रीय अध्यक्ष डा. धर्मेंद्र सिंह के मुताबिक कमजोर बूथों को मजबूत करने के लिए पार्टी नेतृत्व के निर्देश का अनुपालन शुरू कर दिया है।

विधान परिषद में भी मजबूत हुई बीजेपी

» भाजपा की सदस्य संख्या 66 से बढ़कर 73 हो गई

» नौ सीटों पर सपा जबकि बसपा के खाते में बची महज एक सीट

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। विधान परिषद की 13 सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा के 9 और सपा के चार उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा की सदस्य संख्या 66 से बढ़कर 73 हो गई है। इसमें उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पंचायतीराज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी पहले से परिषद सदस्य थे जबकि पांच मंत्रियों सहित भाजपा के सात नए सदस्य चुने गए हैं। सपा की सदस्य संख्या 11 से घटकर 9 हो गई है। भीमराव आंबेडकर बसपा के एकमात्र सदस्य बचे है, उनका कार्यकाल 5 मई 2024 तक है।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक से अक्षय प्रताप सिंह, अपना दल के आशीष पटेल, शिक्षक दल (गैर राजनीतिक दल) से सुरेश कुमार त्रिपाठी व ध्रुव कुमार त्रिपाठी और निर्दलीय समूह से राज बहादुर सिंह चंदेल व डॉ. आकाश अग्रवाल हैं जबकि विक्रांत सिंह और अन्नपूर्णा सिंह स्थानीय निकाय क्षेत्र से निर्दलीय सदस्य है। परिषद में सात जुलाई से सपा की सदस्य संख्या मात्र नौ रहेगी। लोक सभा, राज्य सभा और विधान सभा की नियमावली के अनुसार सत्ता पक्ष के बाद दूसरे सबसे बड़े विरोधी दल की सदस्य संख्या कम से कम दस प्रतिशत होने पर ही नेता प्रतिपक्ष चुना जाता है जबकि सपा की सदस्य संख्या 9 (नौ प्रतिशत) ही है। ऐसे में सपा से नेता प्रतिपक्ष चुना जाएगा या नहीं, इस पर संशय बरकरार है। विधान परिषद के प्रमुख सचिव राजेश सिंह का कहना है कि वह नियमावली का अध्ययन करने के बाद ही इस संबंध में निर्णय लेंगे। बता दें कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के इतिहास में भाजपा का सबसे अच्छा दौर सात जुलाई से शुरू होगा जब भाजपा 73 सदस्यों के साथ लगभग दो तिहाई सीटों पर काबिज होगी। वहीं सपा अपने राजनीतिक इतिहास में परिषद में सबसे कमजोर स्थिति में होगी तो बसपा महज एक सीट के साथ सबसे बुरे दौर में होगी। कांग्रेस के एक मात्र सदस्य दीपक सिंह का कार्यकाल समाप्त होने के बाद परिषद में उनका कोई सदस्य नहीं होगा।

मनोनयन के बाद 81 तक पहुंचेगा भाजपा का आंकड़ा

विधान परिषद में मनोनीत कोटे की छह सीटें रिक्त हैं। सरकार आने वाले दिनों में इन छह सीटों पर सदस्यों को मनोनीत करेगी। उनमें सभी सदस्य भाजपा और विचार परिवार से जुड़े संगठनों से होंगे। वहीं नेता प्रतिपक्ष अहमद हसन के निधन और पूर्व एमएलसी जयवीर सिंह के विधायक निर्वाचित होने से खाली हुई दो सीटों पर उप चुनाव होना है। उप चुनाव में भी दोनों सीटें भाजपा को मिलना तय है। मनोनीत कोटे की छह और उप चुनाव की दो सीटें मिलने के बाद परिषद में भाजपा की सदस्य संख्या 81 पहुंच जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम दर्ज होगा रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विधान परिषद में भाजपा को करीब दो तिहाई बहुमत मिलने का रिकॉर्ड भी दर्ज होगा। वहीं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और परिषद में नेता सदन स्वतंत्र देव सिंह के नाम भी यह रिकॉर्ड दर्ज होगा। उनके नेता सदन के कार्यकाल में पार्टी को पहली बार 81 सीटों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

ये प्रत्याशी जीते निर्विरोध

भाजपा प्रत्याशियों में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, पंचायतीराज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप, आयुष राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र और अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी निर्विरोध जीते हैं। अन्य दो में लखनऊ महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा और कन्नौज के पूर्व विधायक बनवारी लाल दोहरे हैं। वहीं सपा के प्रत्याशियों में स्वामी प्रसाद मौर्य सहित चार प्रत्याशियों ने विधान परिषद चुनाव के लिए नामांकन किया था। इनमें अखिलेश यादव के लिए करहल विधान सभा सीट छोड़ने वाले सोबरन सिंह यादव के पुत्र मुकुल यादव, सहारनपुर के शाहनवाज खान व सीतापुर के पूर्व विधायक जासमीर अंसारी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

महंगाई दर में वृद्धि खतरे की घंटी

सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक मई में थोक महंगाई दर 15.88 फीसदी तक पहुंच गयी है। 2012 के बाद पहली बाद थोक महंगाई दर इस स्तर पर पहुंची है। इसके पहले अप्रैल में महंगाई दर 15.08 फीसदी थी। बढ़ती थोक महंगाई दर ने खतरे की घंटी बजा दी है। हालांकि सरकार अभी भी इस पर लगाम लगाने की कोशिश करती नहीं दिख रही है।

देश में महंगाई का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक मई में थोक महंगाई दर 15.88 फीसदी तक पहुंच गयी है। 2012 के बाद पहली बाद थोक महंगाई दर इस स्तर पर पहुंची है। इसके पहले अप्रैल में महंगाई दर 15.08 फीसदी थी। बढ़ती थोक महंगाई दर ने खतरे की घंटी बजा दी है। हालांकि सरकार अभी भी इस पर लगाम लगाने की कोशिश करती नहीं दिख रही है। सवाल यह है कि महंगाई दर में लगातार इजाफा क्यों हो रहा है? सरकार इस पर लगाम लगाने में विफल क्यों है? क्या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते कच्चे तेल और खाद्यान्नों के कीमतों में आए उछाल के कारण हालात बिगड़ रहे हैं? क्या बाजार में मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन साधे बिना महंगाई को नियंत्रित किया जा सकता है? क्या आम आदमी की क्रय शक्ति को बढ़ाए बिना देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार दिया जा सकता है?

कोरोना ने देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। वहीं लगतार बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी ने लोगों की क्रय शक्ति कम कर दी है। इसके कारण बाजार की चाल भी लड़खड़ाने लगी है। मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन हो जाने से पूंजी का प्रवाह अवरूद्ध हो गया है। दरअसल, कोरोना के साथ रूस-यूक्रेन युद्ध का पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है। कच्चे तेल का दाम 110 डॉलर प्रति बैरल को पार कर चुका है। वहीं यूक्रेन से होने वाले गेहूं के आयात के ठप पड़ जाने से खाद्यान्न के दाम भी बढ़ गए हैं। इसके सापेक्ष लोगों की आय में बढ़ोतरी नहीं हुई है। यही कारण है भारत समेत पूरे विश्व में महंगाई दर बढ़ती जा रही है। भारत में पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में वृद्धि के कारण खाद्य पदार्थों समेत तमाम वस्तुओं के दामों में उछाल आया है। यहां थोक महंगाई दर लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है। मिनरल ऑयल्स, क्रूड ऑयल, नेचुरल गैस, खाद्य वस्तुओं, बेसिक मेटल, गैर खाद्य वस्तुओं और रासायनिक उत्पादों की कीमतों में उछाल आने के कारण देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है। यही नहीं सब्जियों के दामों में भी इजाफा हो रहा है। मई में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अप्रैल में 8.88 फीसदी से बढ़कर 10.89 प्रतिशत पहुंच गयी है। वहीं सब्जियों की महंगाई दर जहां अप्रैल में 23.24 फीसदी थी वह मई में 56.36 प्रतिशत तक पहुंच गयी है। जाहिर है हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं और आम आदमी महंगाई के बोझ तले पिसता जा रहा है। ऐसे में सरकार को जल्द से जल्द महंगाई पर नियंत्रण लगाने के लिए प्रयास करने होंगे। उसे न केवल रोजगार के साधनों में वृद्धि करनी होगी बल्कि मूल्यों को नियंत्रित भी करना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रवक्ताओं के लिए संयम जरूरी

प्रभु चावला

महत्वाकांक्षा और अज्ञानता से उपजा घमंड फसाद से कम नहीं है। भाजपा के नौसिखिये टीवी योद्धाओं नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल के पैगंबर मोहम्मद के विरुद्ध बयान ने उनकी पार्टी को मुश्किल में डाल दिया। इन प्रवक्ताओं ने अपनी सरकार को इस्लामिक देशों के सामने शर्मिंदा कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में अपमान करने वाले प्रवक्ताओं को 'हाशिये के तत्व' कहा है। इससे इस घटना को भारत में बढ़ते इस्लामोफोबिया के संकेत के रूप में पढ़े जाने से रोकने में कोई मदद नहीं मिली और न ही यह मुस्लिम विरोध को रोक सका।

राष्ट्रीय स्तर पर चेहरा चमकाने के लालची प्रवक्ताओं ने हमें यहां तक पहुंचाया है। अपनी सरकार की शानदार उपलब्धियों को बताने की जगह ये हिंदू लड़ाकों की तरह हर चर्चा को अल्पसंख्यकों पर प्रहार का मौका बनाने पर आमादा रहते थे। नुपूर शर्मा पार्टी की समर्पित कार्यकर्ता हैं और अच्छी वक्ता है पर उन्हें लगा राजनीति में उनका भविष्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ भला-बुरा कहने पर निर्भर है, न कि प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियों को लेकर असरदार बहस पर। वे राजनीतिक वाचालों के नये वर्ग को इंगित करती हैं, जिसका तरीका टीवी पर शालीन बहस की जगह अपने प्रतिपक्षी से भिड़ जाना है। भाजपा समेत सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपने संगठनों के हाशिये के तत्वों को प्रवक्ता बना दिया है पर वे अंतत: तर्कहीन घृणित मेगाफोन बन जाते हैं। इनकी एक ही योग्यता है कि वे समाचार को मूर्खता में बदल चुके एंकरों के साथ मिल कर एक अच्छी टीवी स्टोरी बना दें। चूंकि वरिष्ठ नेता कभी-कभार ही टीवी पर आते हैं सो चैनलों को ऐसे लोगों को बुलाना पड़ता है जो टीवी को विषाक्त और मनोरंजक बनाएं। दुर्भाग्य से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का आख्यान राष्ट्रीय एजेंडा को तय कर रहा है। टीवी समाचार को सांप्रदायिक, जातिगत व सामुदायिक द्वंद्व का युद्धक्षेत्र बनाने में नुपूर अकेली नहीं हैं। पार्टी के लगभग 24 प्रवक्ताओं में केवल चार सांसद और तीन पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं। अन्य आधा दर्जन दूसरी पार्टियों से आये हैं। कुछ युवाओं को शोर करने की क्षमता के कारण चुना गया है। यह अजीब है कि भाजपा के मुख्य प्रवक्ता और मीडिया सेल के प्रभारी अनिल बलुनी कभी-कभार ही मीडिया से बात करते हैं। वे पूर्व पत्रकार हैं और अमित शाह के पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद उभरे थे। उससे पहले वे गुजरात के पूर्व राज्यपाल सुंदर सिंह भंडारी के सहयोगी थे। बलुनी ही प्रवक्ताओं को निर्देश देते

हैं और उन्हें चैनलों में भेजते हैं। मुद्दों पर विचार रखने और उन्हें उछालने के बारे में कैसे तय होता, यह रहस्य है। पार्टी प्रवक्ताओं पर न तो निगरानी होती है और न ही वरिष्ठ नेता उन्हें सिखाते हैं। उनमें केवल सत्ता और पहचान की भूख है और वे पार्टी के लिए बिना कड़ी मेहनत किये वह सब पाने की स्थिति में हैं, पर इस स्थिति का सारा दोष उन पर नहीं मढ़ा जा सकता है। सत्ता में आने के तुरंत बाद शीर्ष नेतृत्व को लगा कि अनुभवी और परिचित चेहरों को मीडिया योद्धा बनाने की जरूरत नहीं है। बीते आठ साल में मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और पार्टी नेताओं ने अधिकतम आकर्षण के लिए मीडिया का कामयाब इस्तेमाल किया, पर बाद में इनमें लापरवाही आने लगी और वे टीवी बयान की ताकत को कमतर आंकने लगे।

साल 2014 से पहले कोई वरिष्ठ भाजपा नेता मीडिया प्रभारी होता था। केआर मलकानी, सुषमा स्वराज, प्रमोद महाजन, यशवंत सिन्हा, जसवंत सिंह और अरूण जेटली जैसे दिग्गज पार्टी के चेहरे होते थे। वे रोजाना पत्रकारों से मिलते थे। कांग्रेस के वीएन गाडगिल, जयपाल रेड्डी, गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा, वीरप्पा मोइली, अभिषेक मनु सिंघवी और पवन खेरा जैसे लोगों ने शायद ही कभी विपक्षियों के लिए अभद्र शब्द का उपयोग किया होगा। ऐसा सुधांशु त्रिवेदी और राजीव प्रताप रूढ़ी जैसे पुराने भाजपा प्रवक्ताओं ने भी कभी नहीं किया। वाचालों को बढ़ावा देने से भाजपा को अल्पकालीन लाभ ही होगा, पर लंबे समय तक दर्द मिलेगा। बीते आठ साल में संघ परिवार ने पुराने इतिहास और हिंदू संस्कृति को कुछ मुस्लिम शासकों द्वारा चोट पहुंचाने को लेकर बड़ी संख्या में हिंदुओं का समर्थन हासिल किया है लेकिन एक बात कह कर नुपूर ने पार्टी को नुकसान पहुंचाया है। प्रधानमंत्री ने पूरी अरब दुनिया के साथ कामयाबी से रिश्ते बेहतर किये हैं. मध्य-पूर्व, जिसने कभी भी भारत के विरुद्ध पाकिस्तान का समर्थन नहीं किया है, से वे बड़े अपराधियों और आतंकियों को भी भारत लाये हैं।

वैश्विक नेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्थापित करने में मिली सफलता को भी नुपूर शर्मा ने नुकसान पहुंचाया है। अभी मोदी विदेश मंत्रालय के समर्पण को लेकर कट्टर हिंदुत्व शक्तियों के निशाने पर भी हैं और अपने प्रवक्ताओं की गैर-जिम्मेदाराना हरकतों के कारण अरब के मित्र देश भी हमलावर हैं। कमजोर आधार वाले ठोस और भरोसेमंद शीर्ष के लिए हमेशा जोखिम बना रहेगा।

समस्या के सामाजिक कारणों का समाधान तलाशें

कृष्ण प्रताप सिंह

तीन साल पहले कर्नाटक में एक युवक ने पबजी खेलने से मना करने पर अपने पिता का सिर काट लिया था, अब उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इसी ऑनलाइन गेम के लती एक किशोर ने अपनी मां को अपने घर में ही गोली मार दी। लखनऊ की इस मां का कुसूर भी वही कर्नाटक के उस बाप वाला ही था-बेटे को पबजी खेलने से रोकना। आगे किस तरह उसने मां की खून से लथपथ लाश को घर के ही एक कमरे में बंद किये रखा, कैसे उसकी हत्या के वक्त उपस्थित छोटी बहन को भेद खोलने पर बुरे अंजाम की धमकी दी, कैसे दो दिन बाद शव से फैली बदबू नहीं दबी तो पिता से झूठ बोलकर सारी तोहमत इलेक्ट्रीशियन के मत्थे मढ़ने की कोशिश की और कैसे पुलिस को गुमराह नहीं कर पाने पर सच्चाई उगली, यह सब दोहराना महत्वपूर्ण नहीं है। इससे कहीं ज्यादा जरूरी यह समझना है कि हम अभी भी नहीं चेते और इस वारदात को दो-तीन दिन घिसी-पिटी चर्चा का विषय बनाये रखने और घिसी-पिटी पुलिसिया कार्रवाइयों के बाद अपनी राह पर बढ़ लिये, तो आगे इससे भी बड़े सामाजिक-पारिवारिक अनर्थों को अपना पीछा करते पायेंगे।

कारण यह कि न पबजी देश में ऑनलाइन खेला जाने वाला इकलौता गेम है और न ऐसे गेमों के चलते होने वाली त्रासद वारदातें यहीं ठहरकर रह जाने वाली हैं। अभी कुछ अरसा पहले तक ऑनलाइन गेमों की लत के शिकार युवा व किशोर रोके-टोके जाने पर निराशा में आत्महत्या का रास्ता चुनते थे लेकिन अब लगता है कि बच्चों व किशोरों की ऐसी निराशाएं कहीं ज्यादा क्रूर आक्रामकताओं में बदल गईं। ऐसे में सवाल है कि हम चेत भी जायें तो क्या करें? और जवाब यह कि कुछ नहीं तो खुद से और व्यवस्था से पूछें कि बच्चों, किशोरों व युवाओं को ऑनलाइन गेमों की इतनी खतरनाक लत किसने, क्यों व कैसे लगाई और अब इस लत के कारण वे मातृ व पितृहंता हो चले हैं तो क्या उनके अपराध महज उन्हीं के हैं? क्या उनमें सबसे बड़ा हिस्सा उन माताओं व पिताओं का नहीं है, जिन्होंने ठीक से बोलना सीखने से पहले ही उनके हाथों में मोबाइल पकड़ाया और व्यस्तताओं के चक्कर में यह देखना भी गवारा नहीं किया कि वे उसमें क्या कर रहे हैं। अध्ययन बताते हैं कि हमारे देश में अपने बच्चों से यथोचित संवाद न रखने और उन्हें पालनागृहों अथवा नौकरों के संरक्षण में किये रखने वाले ऐसे माताओं-पिताओं की संख्या नब्बे प्रतिशत तक पहुंच गई है और कौन जाने लखनऊ की उस मां ने भी यह गुनाह कर रखा हो। फिर देश की उस व्यवस्था को क्या कहें जो उनके मार्गदर्शन का अपना कर्तव्य नहीं निभाती? कालांतर में चीन से सीमा विवाद भड़का और उसे सबक सिखाने के लिए पबजी समेत अनेक चीनी ऐप बैन कर दिये गये लेकिन चीन का पबजी बैन के बावजूद हमारी अगली पीढ़ी पर कहर बरपा रहा है। वजह है पबजी पर लगाया गया प्रतिबंध उसके मोबाइल वर्जन पर ही है डेस्कटॉप वर्जन पर नहीं।

तिस पर अभिनेता अक्षय कुमार अब फौजी नाम का पबजी का स्वदेशी अवतार बाजार में ला चुके हैं, जिसे चीन पर निर्भरता घटाने के नाम पर देशभक्ति व राष्ट्रवाद से भी जोड़ा जा रहा है लेकिन क्या किसी आनलाइन गेम को राष्ट्रवाद से जोड़ दिया जाये तो उसके दुष्प्रभाव दुष्प्रभाव नहीं रह जाते और तब इस तथ्य की उपेक्षा की जा सकती है कि पबजी हो या फौजी, उनमें असल खिलाड़ी ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां होती हैं, जिन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इस चक्कर में एक पूरी पीढ़ी का भविष्य दांव पर लग जाता है? जिम्मेदार मनोवैज्ञानिक ऑनलाइन गेमों के बच्चों, युवाओं व किशोरों पर पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर लगातार आगाह करते आये हैं। उनके अनुसार ऑनलाइन गेम खेलने वाले 95.65 फीसदी बच्चे व किशोर बिहैवियर कन्डक्ट डिसआर्डर से पीड़ित होकर गहरे तनाव में रहते हैं और 80.43 प्रतिशत दिन रात उन खेलों के बारे में ही सोचते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने पिछले दिनों केंद्र सरकार से कहा था कि वह बच्चों, किशोरों व युवाओं को ऑनलाइन गेमों की लत से बचाने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाये लेकिन सरकार द्वारा अब तक ऐसा कुछ भी नहीं किया गया। क्या इस आपराधिक उदासीनता के जिक्र के बाद यह जताने के लिए किसी और तथ्य की जरूरत है कि ऑनलाइन गेमों के कारण हत्यारे बन रहे बच्चों, किशोरों व युवाओं के अपराधों में उनसे बड़ा हिस्सा हमारी पारिवारिक व सामाजिक व्यवस्था का है? क्या इन व्यवस्थाओं के इस अपराध पर विचार करते हुए उसे इस आधार पर कोई रियायत दी जा सकती है कि कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान पढ़ाई के लिए मोबाइल का इस्तेमाल अपरिहार्य हो गया था व उससे बच्चे ऑनलाइन गेम के आदी हो गये?

अगर हम अभी भी, जवाब में तथ्यों का कम और सुभीतों का ज्यादा ध्यान रखेंगे तो कोई आश्चर्य नहीं कि जल्दी ही अपनी अनियंत्रित मोबाइल-संस्कृति का वैसा ही खामियाजा भुगतने को विवश हो जायें, जैसे इन दिनों अमेरिका स्कूलों तक में अंधाधुंध फायरिंग के तौर पर अपनी बन्दूक-संस्कृति का भुगत रहा है।

गर्मी में जरूर करें सौंफ-मिश्री का सेवन रहेंगे एकदम फ्रेश

मुंह का स्वाद बढ़ाने और खाना जल्दी पचाने के लिए अक्सर खाना खाने के बाद सौंफ और मिश्री का मिक्चर खाया जाता है लेकिन इसके अलावा भी सौंफ और मिश्री के स्वास्थ्य लाभों की लिस्ट लंबी है। आपको मालूम है सौंफ और मिश्री खाने से हमें क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं? आंखों की रोशनी के लिए ही नहीं, सौंफ और मिश्री कई बीमारियों के लिए रामबाण हैं। सौंफ और मिश्री का आयुर्वेदिक रूप से बड़ा महत्व है। इसमें विटामिन, फाइबर, कैल्शियम, एंटी-आक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल गुण होते है। सबसे खास बात यह है कि सौंफ का सेवन गर्मी के कहर से बचाने में भी काफी मददगार साबित होता है। गर्मियों में सौंफ और मिश्री का पानी पीने से आपको अंदर से हाइड्रेट और ठंडा रहने में मदद मिलती है। साथ ही यह तनाव और पेट की जलन भी कम कर सकता है। आइए इसके फायदे और उपयोग के बारे में विस्तार से जानते हैं।

जरूर पिएं सौंफ का पानी

गर्मी में सौंफ और मिश्री का पानी आपके शरीर के तापमान को अधिक बढ़ने नहीं देता है, जिसकी मदद से आपको अधिक गर्मी नहीं लगती है। पसीना भी बहुत अधिक नहीं आता है। यह आपके शरीर को अंदर से ठंडा रखने में काफी मददगार है।

ओरल हेल्थ के लिए फायदेमंद

सौंफ और मिश्री का सेवन करने से मुंह की समस्याओं को ठीक किया जा सकता है। सौंफ और मिश्री में पाए जाने वाले पोषक तत्व मुंह से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। रोजाना भोजन करने के बाद सौंफ और मिश्री खाने से मुंह में किसी भी प्रकार बदबू नहीं आती है और मुंह फ्रेश रहता है। सौंफ बहुत सुगंधित होता है इसलिए इसके सेवन से मुंह में बहुत अच्छी सुगंध आती है और मुंह स्वस्थ रहता है। सौंफ और मिश्री दांत एवं मसूड़ों से संबंधित समस्याओं को दूर करने में भी मदद करते हैं।

हमें एक्टिव बनाए

सौंफ के साथ मिश्री खाने से यह भी फायदा होता है कि मिश्री की बहुत सीमित मात्रा जब सौंफ के साथ शरीर में जाती है तो वह शारीरिक तौर पर शिथिलता का अहसास नहीं होने देती है। क्योंकि भोजन करने के बाद हम सभी को आलस आता है। सौंफ और मिश्री का सेवन हमें उस आलस से बचाता है।

पीरियड्स में करें सेवन

सौंफ और मिश्री खाने से मासिक धर्म में होने वाली समस्याओं को ठीक किया जा सकता है। रोजाना खाना खाने के बाद सौंफ और मिश्री खाने से मासिक धर्म न आना, दर्द, बांझपन आदि की समस्या ठीक हो जाती है। इसके अलावा स्तनपान करने वाली महिलाओं के दूध में वृद्धि करने के लिए भी सौंफ और मिश्री का सेवन करना बेहद फायदेमंद होता है।

ऐसे बनाएं सौंफ का पाउडर

अगर आपको यह समझ नहीं आ रहा है कि आप सौंफ को अलग-अलग तरह से किस तरह अपनी डाइट में शामिल करें तो यह तरीका अपनाएं। इसके लिए आप पहले सौंफ को हल्का सा तवे पर रोस्ट कर लें। अब इसे पीसकर पाउडर बना लें। इस पाउडर को अपनी सब्जी से लेकर तरह-तरह की स्टफिंग, सलाद, सूप आदि तक में शामिल कर सकते हैं। यह आपको स्वस्थ पाचन तंत्र को हेल्दी बनाए रखने में मदद करेगा।

पाचनतंत्र मजबूत बनाए

सौंफ और मिश्री खाने से केवल मुंह में फ्रेशनेस ही नहीं बल्कि इससे खाने को पचाने में भी मदद मिलती है। सौंफ में ऐसे कई पाचक गुण होते हैं जिससे पाचन की प्रक्रिया तुरंत एक्टिव हो जाती है। खाने के कम से कम 15 मिनट बाद सौंफ और मिश्री का सेवन जरूर करें। इसके अलावा गुनगुने पानी के साथ सौंफ का सेवन कर सकते हैं।

हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मददगार

क्या आपका हीमोग्लोबिन कम रहता है? अगर हां तो आपको सौंफ और मिश्री जरूर खानी चाहिए। इससे शरीर में आयरन की कमी दूर होती है। सौंफ और मिश्री खाने से हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ता है और शरीर में ब्लड फ्लो में भी सुधार आता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाए

सौंफ और मिश्री खाने से आंखों को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है। इससे आंखों की रोशनी में सुधार आता है। आप सौंफ और मिश्री को मिलाकर खाएंगे तो इससे आपके विजन में सुधार आएगा और धीरे-धीरे आपका चश्मा भी हट जाएगा।

खांसी-जुकाम से दे आराम

अगर आपको खांसी और गले में खराश है तो आपको सौंफ और मिश्री का सेवन जरूर करना चाहिए। इसमें मौजूद औषधीय गुण आपको सर्दी खांसी से राहत दिलाएगा।

खट्टी डकार में भी सेवन जरूरी

सौंफ को एक ग्लास पानी में उबालकर और मिश्री मिलाकर दिन में दो तीन बार सेवन करने से खट्टी डकारें आना बंद हो जाती हैं। पेट दर्द के लिए भुनी हुई सौंफ चबाने से शीघ्र फायदा मिलता है।

हंसना मना है

कंजूस आदमी पंडित जी को कम पैसे देते हुए... कोई ऐसा उपाय बताइए कि पैसा ही पैसा हो जाए... पंडित जी- चिंता मत करो बालक एक ऐसा मंत्र बताउंगा जितनी बार बोलोगे उतनी बार धन की प्राप्ति होगी... रोज किसी चौक-चौराहे पर जाओ और बोलो भगवान के नाम पर दे दे रे बाबा।

संता- यार सिर में बहुत दर्द हो रहा है। बंता- सिरदर्द होने पर कुछ देर गर्लफ्रेंड से जरूर बात करो। संता- क्यों? बंता- तुमने सुना नहीं है, जहर ही जहर को मारता है।

संता ने बंता से पूछा शादीशुदा लड़की और शादीशुदा लड़का में क्या अंतर है? बंता- मंगलसूत्र लटका हो तो लड़की शादीशुदा और मुंह लटका हो ते लड़का शादीशुदा...!!!

एक व्यक्ति घर में पुराने कागजात देख रहा था, तभी उसके हाथ में धर्मपत्नि का ग्यारवी कक्षा का रिपोर्ट कार्ड आया। नम्बरों के नीचे चरित्र प्रमाण पत्र पढ कर अभी तक बेहोश है। लिखा था मधुरभाषी एवं शांतिप्रिय छात्रा।

भंडारे में मोटा आदमी एक खूबसूरत लड़की से टकरा गया... इस टक्कर में मोटे आदमी के एक टांग की हड्डी टूट गई.. वो हॉस्पिटल गया तो देखा कि वहां एक आदमी की दोनों टांगें टूटी हुई हैं। वो बोला- आपकी दो पत्नियां हैं क्या?

कहानी — बूढ़ी महिला की सीख

चाणक्य अपमान भुला नहीं पा रहे थे। शिखा की खुली गांठ हरपल अहसास कराती कि धनानंद के राज्य को शीघ्रातिशीघ्र नष्ट करना है। चंद्रगुप्त के रूप में एक ऐसा होनहार शिष्य उन्हें मिला था जिसको उन्होंने बचपन से ही मनोयोगपूर्वक तैयार किया था। अगर चाणक्य प्रकांड विद्वान थे तो चंद्रगुप्त भी असाधारण और अद्भुत शिष्य था। चाणक्य बदले की आग से इतना भर चुके थे कि उनका विवेक भी कई बार ठीक से काम नहीं करता था। चंद्रगुप्त ने लगभग पांच हजार घोड़ों की छोटी-सी सेना बना ली थी। सेना लेकर उन्होंने एक दिन भोर के समय ही मगध की राजधानी पाटलिपुत्र पर आक्रमण कर दिया। चाणक्य, घनानंद की सेना और किलेबंदी का ठीक आकलन नहीं कर पाए और दोपहर से पहले ही धनानंद की सेना ने चंद्रगुप्त और उसके सहयोगियों को बुरी तरह मारा और खदेड़ दिया। चंद्रगुप्त बड़ी मुश्किल से जान बचाने में सफल हुआ। चाणक्य भी एक घर में आकर छुप गए। वह रसोई के साथ ही कुछ मन अनाज रखने के लिए बने मिट्टी के निर्माण के पीछे छुपकर खड़े थे। पास ही चौके में एक दादी अपने पोते को खाना खिला रही थी। दादी ने उस रोज खिचड़ी बनाई थी। खिचड़ी गरमा-गरम थी। दादी ने खिचड़ी के बीच में छेद करके गरमा-गरम घी भी डाल दिया था और घड़े से पानी भरने गई थी। थोड़ी ही देर के बाद बच्चा जोर से चिल्ला रहा था और कह रहा था, जल गया, जल गया। दादी ने आकर देखा तो पाया कि बच्चे ने गरमा-गरम खिचड़ी के बीच में अंगुलियां डाल दी थीं। दादी बोली, तू चाणक्य की तरह मूर्ख है, अरे गरम खिचड़ी का स्वाद लेना हो तो उसे पहले कोनों से खाया जाता है और तूने मूर्खों की तरह बीच में ही हाथ डाल दिया और अब रो रहा है। चाणक्य बाहर निकल आए, बुढ़िया के पांव छूए और बोला कि आप सही कहती हैं कि मैं मूर्ख ही था तभी राज्य की राजधानी पर आक्रमण कर दिया और आज हम सबको जान के लाले पड़े हुए हैं। चाणक्य ने उसके बाद मगध को चारों तरफ से धीरे-धीरे कमजोर करना शुरू किया और एक दिन चंद्रगुप्त मौर्य को मगध का शासक बनाने में सफल हुआ।

12 अंतर खोजें

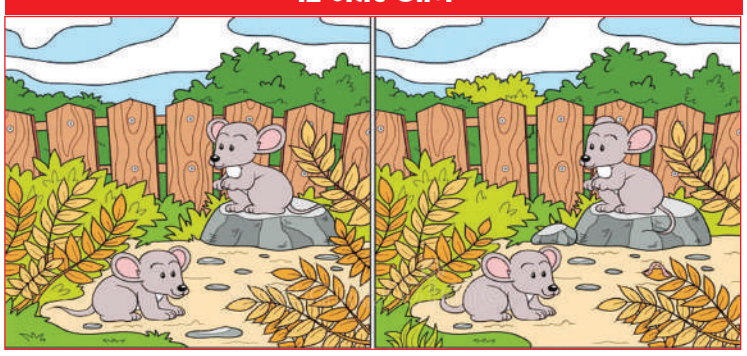

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बहुत ज्यादा चिंता और तनाव की आदत सेहत बर्बाद कर सकती है। मानसिक स्पष्टता बनाए रखने के लिए शंका और झुंझलाहट से निजात पाएं।। उधार मांगने वाले लोगों को नजरअन्दाज करें।

वृषभ

आज जीवनसाथी से आपको कोई गिफ्ट मिल सकता है। आज आपका वैवाहिक जीवन में खुशियों का समावेश रहेगा। आज के दिन म्यूचुअल फंड में निवेश करना फायदेमंद रहेगा।

मिथुन

जरूरत से ज्यादा खर्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। अगर आप दफ्तर में अतिरिक्त समय लगाएंगे, तो आपकी घरेलू जिंदगी पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

कर्क

आज आपको व्यापार में अचानक फायदा हो सकता है। आज आपका आत्मविश्वास पहले की अपेक्षा और मजबूत रहेगा। ऑफिस में आज आपके काम की सराहना होगी।

सिंह

माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज न सिर्फ अजनबियों से, बल्कि दोस्तों से सावधान रहने की जरूरत भी है।

कन्या

आज आपका दिन बेहद खुशनुमा बीतेगा। इस राशि के मल्टीनेशनल कंपनी में काम कर रहे लोगों को आज प्रमोशन मिलने के चांस बन रहे है। बेरोजगारों को आज रोजगार मिल सकता है ।

तुला

नयी गतिविधियां और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। अपने खर्चों पर काबू रखें और व्यय करने से बचें। सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों।

वृश्चिक

आज किस्मत आपका साथ देगी। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहें है वो आज बिना किसी की मदद के पूरा हो जाएगा। आज किसी दूसरे के काम में राय देने से बचें।

धनु

आप खुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे जो आपको आर्थिक ज्यादा पहुँचाएंगे। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस-पास आज कुछ बड़े बदलाव करें।

मकर

आज आपका दिन सकारात्मकता से भरा रहेगा। आज आप अपने व्यवहार के प्रति दूसरों को अपनी तरफ आकर्षित कर सकते है। आपके दुश्मन भी आज दोस्ती का हाथ बढ़ायेंगे।

कुम्भ

अगर आपकी योजना बाहर घूमने-फिरने की है तो आपका वक्त हंसी-खुशी और सुकून भरा रहेगा। मनोरंजन और सौन्दर्य में इजाफे पर जरुरत से ज्यादा वक्त न खर्च करें।

मीन

आज का दिन आपके लिए बेहद खास रहेगा। आज आप पूरा दिन रिलेक्स रहेंगे। साथ ही आज ऑफिस के किसी बड़े मामले में आपको निर्णय लेना पड़ सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

पृथ्वीराज के पिटने से पहले ही अक्षय कुमार ने कर ली थी फ्यूचर प्लानिंग

अक्षय कुमार की फिल्म सम्राट पृथ्वीराज का हाल बेहाल है। 11 दिन के अंदर मूवी सिमट गई। फिल्म 62 करोड़ ही कमा सकी है। 300 करोड़ की फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर ऐसा हाल शॉकिंग है। सम्राट पृथ्वीराज के पिटने का शायद अक्षय कुमार को पहले से अंदाजा था। तभी तो फिल्म के डायरेक्टर डॉक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेदी से उन्होंने इस बारे में बात की थी। डॉक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म के ना चलने पर अक्षय कुमार ने क्या कहा था। एक्टर ने एक दफा डायरेक्टर को कहा था अगर ये फिल्म लोगों ने रिजेक्ट की तो वे नॉन कंट्रोवर्सियल फिल्में जैसे राउडी राठौर और हाउसफुल जैसी मूवीज करेंगे। डायरेक्टर ने एक मीडिया पोर्टल से बातचीत में कहा- जब एक फिल्म फ्लॉप होती है तो प्रोड्यूसर का दिल टूट जाता है। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी ये पहली ऐतिहासिक फिल्म है। अगर ये सक्सेसफुल होती है तो बैनर और भी ऐसी मूवीज बनाएगा। वरना उनकी कंपनी लगातार फिल्में बना ही रही है। प्रोडक्शन हाउस वो करेगा जिसे वे करते आए हैं। इसके बाद डायरेक्टर ने अक्षय कुमार की बात का जिक्र किया। वे कहते हैं- मुझे याद है अक्षय ने मुझे पर्सनली बताया था और इंटरव्यूज में भी कहा था कि मैं राउडी राठौर और हाउसफुल बना रहा था। इन मूवीज की मुझे ज्यादा फीस मिलती है। मैंने सम्राट पृथ्वीराज के साथ एक कोशिश की है। अगर लोगों ने इसे रिजेक्ट कर दिया तो चिंता की कोई बात नहीं। मैं फिर से राउडी राठौर जैसी मसाला फिल्में करूंगा। लोग वो चीजें देखना चाहते हैं जिनमें कोई कंट्रोवर्सी ना हो। फिर मैं ये करूंगा। अक्षय को जिस बात का डर था वही हुआ।

सुपरस्टार प्रभास को मिली अपनी दुल्हनियां, जल्द लेंगे सात फेरे

राधे श्याम फेम प्रभास दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। साउथ सुपरस्टार की फैन फॉलोइंग जबरदस्त है। लड़कियां प्रभास पर जान न्यौछावर करती हैं, लेकिन अब प्रभास को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है, जिसे सुनने के बाद उनकी फीमेल फैंस के दिल टूट सकते हैं। दरअसल एक्टर का परिवार इसी साल उनकी शादी कराने के मूड में हैं। 42 साल के हो चुके एक्टर के परिवार वाले चाहते है कि 2022 में ही उनका घर बस जाए। इतना ही नहीं, जल्द ही इस खबर की अनाउंसमेंट भी कर दी जाएगी। रणबीर- आलिया और नयनतारा की शादी के बाद मनोरंजन के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पेन इंडिया स्टार प्रभास के इस साल हाथ पीले हो सकते है। एक्टर का परिवार उन्हें शादी के बंधन में बांधने की लिए पूरी तैयारी कर चुका है। एक्टर के चाचा और अभिनेता कृष्णम राजू जल्द ही इस खबर को मीडिया के साथ शेयर करने वाले है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो प्रभास के चाचा स्टार कृष्णम राजू ने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान प्रभास की शादी की बात कही थी। उन्होंने बताया है कि प्रभास के लिए दुल्हनियां चुन ली गई है, जिसके बारे में आप सभी को जल्द ही जानकारी दी जाएगी। प्रभास की शादी की खबरें काफी पहले से सर्खियों में बनी हुई है। एक्टर का नाम बाहुबली फेम अनुष्का शेट्टी के साथ जोड़ा जा चुका है। प्रभास और अनुष्का कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। वहीं फैंस को भी बाहुबली 2 के साथ कई और फिल्मों में दोनों की केमिस्ट्री काफी पसंद आई है। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते पर कभी भी ऑफिशियली कुछ नहीं कहा है, और अपने आपको एक दूसरे को सिर्फ अच्छा दोस्त बताया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो सुपरस्टार प्रभास सालार और आदिपुरुष में नजर आएंगे। दोनों फिल्मों में एक्टर का अलग और यूनिक अवतार देखने को मिलने वाला है। वहीं वह पिछली बार फिल्म राधे श्याम में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। इसके अलावा प्रभाष की दो फिल्में और आएगी। प्रभाष फिलहाल अभी दो स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं।

बॉलीवुड | मसाला

इंडस्ट्री एक और बिग फेट वेडिंग

इंदिरा गांधी की भूमिका निभाएंगी फातिमा

दंगल की अभिनेत्री फातिमा सना शेख, जिन्हें एंथोलॉजी मॉडर्न लव मुंबई में अपने काम के लिए काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित अपनी आगामी फिल्म पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। सैम बहादुर में वह भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाएंगी। अभिनेत्री पुराने साक्षात्कार टेपों को देखकर और अपने बचपन और प्रारंभिक वर्षों के बारे में पढ़कर दिवंगत नेता के जीवन की घटनाओं का बारीकी से पालन कर रही है। जब उनसे पूछा गया कि किस वजह से उन्होंने फिल्म के लिए हां कहा तो वह कहती हैं, मैं फिल्म के लिए केवल मेघना गुलजार की वजह से उत्साहित हुई। फातिमा ने खुलासा किया कि मेघना अपने शिल्प में अच्छी हैं और उनके साथ बैठकों में उसका अनुभव फिल्म निर्माण सीखने से लेकर फिल्म के विभिन्न पहलुओं को समझने तक उसकी बहुत रुचि रखता है। उन्होंने यह भी साझा किया कि वह उस कंटेंट से इंदिरा गांधी के व्यक्तित्व का अध्ययन कर रही हैं जो सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है, ताकि चरित्र की अपनी कल्पना को व्यापक स्ट्रोक दिया जा सके। इस बीच, काम के मोर्चे पर फातिमा सना शेख दीया मिर्जा और संजना सांघी के साथ तापसी पन्नू के प्रोडक्शन धक-धक में भी काम कर रही हैं। फातिमा सना सेख अमीर खान के साथ संबंधों की अफवाह को लेकर सुर्खियों में आई थी।

अजब-गजब | यहां पलभर में पसीना-पसीना हो जाएंगे आप

ये हैं दुनिया के सबसे गर्म स्थान

इनदिनों देशभर में भीषण गर्मी पड़ रही है, जिससे लोगों का हाल बेहाल है, लेकिन आज हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे स्थानों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां आप पलभर भी नहीं रुक सकते क्योंकि ये स्थान दुनिया के सबसे गर्म स्थानों में से एक हैं। पृथ्वी के बढ़ते तापमान ने दुनियाभर के वैज्ञानिकों को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। पृथ्वी का तापमान लगातार धीरे-धीरे बढ़ रहा है, वहीं बारिश की कमी ने और बुरे हालात पैदा कर दिए हैं। हमारे देश को तापमान की वजह से भले ही गर्म माना जाता हो, लेकिन दुनिया में कुछ ऐसी भी जगह हैं जहां का तापमान इतना होता है कि गाड़ियों को टायर तक पिघल जाते हैं। आज हम आपको दुनिया की ऐसी ही कुछ जगहों से रूबरू कराएंगे जो पृथ्वी पर सबसे अधिक गर्म मानी जाती हैं।

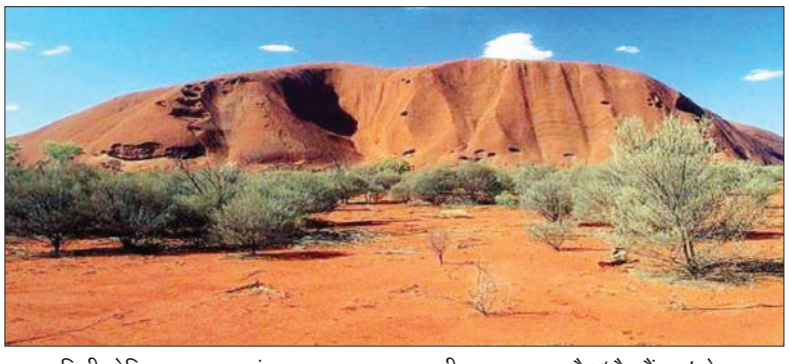

डेथ वैली, अमेरिका

कैलिफोर्निया के मोजेव रेगिस्तान में स्थित डेथ वैली उत्तरी अमेरिका के सबसे सूखे और गर्म इलाकों में से है। समुद्र के स्तर से काफी नीचे होने के कारण यहां बहुत गर्मी पड़ती है। जुलाई 1913 में यहां का तापमान 56.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जो अब तक का रिकॉर्ड तापमान है। यहां का तापमान 47 डिग्री सेल्सियस रहता है।

फ्लेमिंग माउंटेन, शिनजियांग, चीन

चीन के शिनजियांग में तियान शान पहाड़ों की श्रृंखला में आने वाले फ्लेमिंग माउंटेन को भी गर्म इलाकों में शुमार किया जाता है। साल 2008 में यहां पर समुद्रीतल का तापमान 66.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। उस साल धरती पर नापा गया ये सबसे ज्यादा तापमान था।

क्वींसलैंड ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया को दुनिया का सबसे शुष्क महाद्वीप कहा जाता है। 'बैडलैंड्स' के नाम से मशहूर यहां क्वींसलैंड आउटबैक एक बड़ा रेगिस्तान है। साल 2003 में भयंकर सूखा पड़ी थी। उस वक्त यहां का तापमान 69।3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

दश्त-ए-लूट, ईरान

दश्त-ए-लूट को धरती का सबसे गर्म स्थान कहा जाता है। साल 2004 में यहां का तापमान 70 डिग्री और 2005 में 70.7 डिग्री तक पहुंच गया था। दश्त-ए-लूट के ज्यादातर हिस्से में इतनी गर्मी पड़ती है कि यहां किसी जीव-जंतु के लिए रहना संभव नहीं है।

इस जंगल में है रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पौधों की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी। दरअसल, कालाढूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकतें करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंच जाते हैं।

भाजपा सबसे बड़ी जातिवादी पार्टी : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बेहतर कानून व्यवस्था होने का ढोंग कर रही सरकार

» महंगाई और बेरोजगारी से ध्यान भटकाने के लिए उछाल रही नए मुद्दे

बस्ती। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि दूसरे दलों पर जातीय राजनीति का आरोप लगाने वाली भाजपा खुद सबसे बड़ी जातिवादी पार्टी है। प्रमुख पदों पर कौन लोग बैठे हैं? नौकरियों में किसका चयन हो रहा है? इसको देखिए सब कुछ साफ हो जाएगा।

प्रदेश में कानून व्यवस्था पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं का उत्पीड़न हो रहा है, अपराधों का ग्राफ बढ़ रहा है। यह बात नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बयां कर रहे हैं। भाजपा सरकार कानून व्यवस्था बेहतर होने का ढोंग कर रही है। सरकार सच देखना और जानना नहीं चाहती। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से ध्यान हटाने के लिए सरकार नए मुद्दे उछाल रही है। चुनाव के दौरान संकल्प पत्र में भाजपा ने जो वादे किए थे, उसे वह भूल गई है। एक तरफ 70 लाख नौकरियां देने का वादा किया दूसरी तरफ बड़ी सरकारी कंपनियों को निजी हाथों में बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि एलआईसी और एयरपोर्ट बिक गए। रेलवे को भी बेचने की तैयारी है। भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के बयान पर अखिलेश ने कहा यदि कोई सच्चा हिंदू होगा तो वह किसी धर्म के खिलाफ नहीं बोलेगा। हमारी संस्कृति, हमारा कानून और संविधान भी इसकी इजाजत नहीं देता है, इतने के बाद आखिर भाजपा अपने प्रवक्ता के साथ क्यों खड़ी है। भाजपा को उन्हें आजीवन पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा देना चाहिए। प्रयागराज की घटना पर कहा कि उस परिवार के लोग बिजली का बिल, जलकर, गृहकर देते थे तो गैरकानूनी कैसे हो गए। भाजपा धर्म और जाति देख कर कार्रवाई कर रही है। राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ पर कहा हम राजनीति करने वाले लोगों को भी परीक्षा देनी पड़ती है। दसवीं और 12 वीं की तरह डेमोक्रेसी की परीक्षा हो रही है। बदले की भावना से ऐसी कार्रवाई करने से बचना चाहिए।

ट्रैक्टर-ट्राली व डीसीएम में टक्कर, सात की मौत

» बरेली-मथुरा हाइवे पर हादसा, तीस घायल, दो की हालत नाजुक

» मृतकों में छह महिलाएं शामिल डीसीएम चालक, परिचालक फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के बरेली-मथुरा हाईवे पर स्थित मेडिकल कालेज के पास कछला से गंगा स्नान कर लौटते समय श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्राली में पीछे से डीसीएम ने टक्कर मार दी। इससे डीसीएम और ट्रैक्टर-ट्राली दोनों पलट गए। ट्रैक्टर सवार छह महिलाओं समेत सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 30 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया, जिनमें से दो को गंभीर हालत में सैफई रेफर किया गया है।

मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव अहोरामई निवासी लेखराज के यहां छह जून को अखंड रामायण का पाठ हुआ था। सात जून को अखंड रामायण के समापन के बाद भंडारा हुआ। इसके बाद यह तय हुआ था कि ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन अखंड रामायण के पूजा का सामान गंगा में विसर्जित करने जाया जाएगा। मंगलवार को पूर्णिमा के दिन लेखराज का बेटा भोगराज अपने ट्रैक्टर जिसमें गांव के 45 लोग सवार थे, को लेकर गंगा स्नान करने के लिए गया था। गंगा स्नान करने के बाद सभी गांव लौट रहे थे। वे लोग जैसे ही शहर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में स्थित मेडिकल कॉलेज के पास पहुंचे कि तभी पीछे से आई डीसीएम ने ओवरटेक करने के लिए

हार्न दिया तो ट्रैक्टर चला रहे भोगराज ने डीसीएम को साइड देने के लिए ट्रैक्टर दूसरी तरफ करना चाहा लेकिन इसी दौरान डीसीएम चालक ने भी उसी ओर गाड़ी मोड़ दी, जिससे डीसीएम की पहली टक्कर ट्रैक्टर में लगी और वह अनियंत्रित हो गया। इसके बाद दूसरी टक्कर लगने पर ट्रैक्टर-ट्राली वापस उझानी की ओर मुड़कर पलट गई। वहीं डीसीएम भी अनियंत्रित होकर कुछ आगे जाकर पलट गई। हादसे के बाद डीसीएम के चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए। हादसे में सुषमा, मीरा, अनीता, पूनम, संगीता व एक अन्य महिला और 11 वर्षीय सहदेव की मौत हो गई जबकि हादसे में तीस लोग घायल हो गए। जिसमें ट्रैक्टर चालक भोगराज और शिवानी को गंभीर हालत में हायर सेंटर सैफई रेफर कर दिया गया। हादसे की सूचना पर एसएसपी डा. ओपी सिंह, एसपी सिटी प्रवीण सिंह, सीओ सिटी आलोक मिश्रा मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

सिख विरोधी दंगे

38 साल बाद शुरू हुई गिरफ्तारी

» घाटमपुर में छापेमारी, चार आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। सिख विरोधी दंगों के दौरान कानपुर में मारे गए 127 सिखों के परिवारों को जिस इंसाफ का 38 सालों से इंतजार था, उसकी शुरुआत मंगलवार आधी रात के बाद हो गई। मामले की जांच के लिए बनी एसआईटी ने लगभग तीन साल की जांच के बाद चिन्हित किए गए हत्यारोपितों की गिरफ्तारी का सिलसिला शुरू कर दिया है। घाटमपुर में की गई छापेमारी में निराला नगर हत्याकांड के चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। एसआईटी ने इनके नाम नहीं बताए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर, 1984 को हत्या के बाद भड़के सिख विरोधी दंगे में कानपुर में 127 सिखों की हत्या कर दी गई थी। विभिन्न थानों में 40 मुकदमे दर्ज हुए थे। पुलिस ने 29 मामलों में फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी। 27 मई, 2019 को इस मामले में प्रदेश सरकार ने पूर्व डीजीपी अतुल कुमार की अध्यक्षता में एसआईटी बनाई गई थी, जोकि फाइनल रिपोर्ट लगे 20 मुकदमों की दोबारा जांच कर रही है। मंगलवार को देर रात एसआईटी ने कानपुर कमिश्नरेट और कानपुर आउटर पुलिस ने घाटमपुर क्षेत्र में छापेमारी करके निराला नगर हत्याकांड से जुड़े चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनसे पूछताछ की जा रही है।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। चौबेपुर के दिलीप नगर के पास युवक की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चौबेपुर के मनोह गांव के मजरा गणेश गंज निवासी 30 वर्षीय तारा बाल्मीकि मंगलवार की शाम घर से निकला था। स्वजनों ने बताया कि उसे दिलीप नगर का हरी साथ ले गया था। सुबह दिलीप नगर के पास सड़क के किनारे तारा का शव पड़ा मिला। चेहरे के साथ गर्दन पर धारदार हथियार से कई प्रहार किए गए थे। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम बुला कर साक्ष्य एकत्र किए हैं। थाना प्रभारी केएम राय ने बताया कि स्वजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस आशनाई के बिंदु पर भी जांच कर रही है।

कोयला व्यापारी के बेटे का अपहरण, हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। कौशांबी में कोयला व्यापारी के पांच वर्षीय बेटे का अपहरण हो गया है। सीसीटीवी में एक नकाबपोश महिला और पुरुष बच्चे को साथ ले जाते दिखे हैं। उनकी तलाश तेज कर दी गई है।

पिपरी थाना के बिलासपुर गांव निवासी शशिबाबू केशरवानी मनौरी बाजार में कोयले का व्यापार करते हैं। तीन बच्चियों के साथ पांच वर्षीय बेटा कार्तिक उनका इकलौता वारिश है। कार्तिक मंगलवार की शाम मकान के बाहर खेल रहा था। इस बीच उसका अपहरण हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले। इसमें काले कपड़े से चेहरे को ढंके एक महिला और एक पुरुष के बीच में मासूम जाता दिखाई दे रहा है।

तो लोक सभा चुनाव के लिए खोला नौकरियों का पिटारा!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार ने नौकरियों का पिटारा खोल दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां डेढ़ वर्ष में केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों और मंत्रालयों में दस लाख पदों पर भर्ती का ऐलान किया है वहीं रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सेना में चार साल की अवधि तक की भर्ती के लिए अग्निपथ भर्ती योजना लॉन्च की है। अब सेना में अग्निवीरों को तैनात किया जाएगा। ऐसे में सवाल उठता हैं कि हर साल दो करोड़ की नौकरी देने वाले मोदी क्या दस लाख ही नौकरी देंगे या 2024 के चुनाव की तैयारी है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, समीरात्मज मिश्र, अजय शुक्ला, दिनेश के बोहरा, प्रो. जितेंद्र मीना, किसान नेता डॉ. सुनीलम और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

समीरात्मज मिश्र ने कहा, 2018 में भी एक खबर आती है कि प्रधानमंत्री ने अपने सारे मंत्रालयों

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

से कहा है कि उनके विभागों में कितनों को नौकरी दी गई और कितने को देनी है। 2019 के आम चुनाव से पहले उन्होंने ये आंकड़े निकलवाने शुरू किए क्योंकि उस समय नोटबंदी के समय बहुत सारों की नौकरियां गई थी। 2014 में वादा किया था दो करोड़ नौकरी देने का, मगर अब दे रहे दस लाख।

डॉ. सुनीलम ने कहा, केंद्र सरकार को नया रोजगार पैदा करने का काम नहीं करना है बल्कि उनको रिक्त पदों को भरना है। नुपुर शर्मा, बुल्डोजर बाबा, हिंदू-मुसलमान में डायवर्ट करना है लोगों को, नौकरी न देना इस सरकार की पुरानी आदत है। दिनेश के बोहरा ने कहा, भारत में संसाधनों की कमी नहीं है। बावजूद इसके एक मिलियन से ज्यादा टीचर्स की भर्ती खाली है। आईटी सेक्टर में 50 फीसदी वैकेंसी रिक्त है। सिविल सर्विसेज में अब 1200 की जगह 650 लोगों की भर्ती की जा रही है। अशोक वानखेड़े ने कहा, 2014 में हर साल दो करोड़ नौकरी देने की घोषणा करने वाले प्रधानमंत्री यदि दस लाख नौकरी देंगे तो आप अंदाजा लगा सकते है कि देश किस दिशा में जा रहा है। अजय शुक्ला ने कहा स्वाभाविक सी बात है कि नौकरी मिलेगी तो खुशी भी मिलेगी लेकिन खुशी के बाद जो गम आएगा, उस अग्निपथ पर चलने के बाद उन्हें हासिल क्या होने वाला है, ये देखने लायक होगा।

प्रो. जितेंद्र मीना ने कहा घोषणाएं बहुत सारी हुई हैं कई सालों में। असल में जहां रोजगार जनरेट हो सकता है, रेलवे और बैंकिंग लेकिन रेलवे का प्राइवेटजेशन हो रहा, बैंकिंग में भी हालत ठीक नहीं है।

राहुल गांधी के समर्थन में आए सपा प्रमुख

अखिलेश बोले, ईडी का फुल फार्म है 'एग्जामिनेशन इन डेमोक्रेसी'

» सपा प्रमुख ने भाजपा व केंद्र सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ के चलते देशभर में कांग्रेस नेता हंगामा और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पूछताछ के तीसरे दिन यानी आज इस मामले में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार के खिलाफ इस मामले में विरोध दर्ज करते हुए ट्वीट कर केंद्र सरकार और प्रवर्तन निदेशालय पर निशाना साधा है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने ट्वीट करते हुए ईडी का फुल फार्म एग्जामिनेशन इन डेमोक्रेसी बताया। अखिलेश ने कहा कि ईडी का मतलब अब '‌श्र×ड्डद्वद्बठ्ठड्डह्लद्बशठ्ठ द्बठ्ठ ष्ठद्गद्वशष्ह्लड्डष्4' बन गया है। राजनीति में विपक्ष को ये परीक्षा पास करनी होती है। जब सरकार स्वयं फेल हो जाती है तब वो इस परीक्षा की घोषणा करती है। जिनकी तैयारी अच्छी होती है वो न तो लिखा-पढ़ी की परीक्षा से डरते हैं, न मौखिक से, और कभी डरना भी नहीं चाहिए। सपा प्रमुख ने इससे पहले बस्ती में भाजपा पर हमला बोला था। उन्होंने कहा विकास के पथ पर अगर यूपी को ले जाना है तो घर तोड़ना नहीं, बल्कि घरों को जोड़ना है। बता दें कि नेशनल हेराल्ड मामले में वायनाड से सांसद राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय की टीम आज तीसरे दिन पूछताछ कर रही है। ईडी ने राहुल और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को समन भेजा था लेकिन सोनिया गांधी स्वास्थ्य कारणों से पूछताछ में शामिल नहीं हो पाई।

यूपी की कानून व्यवस्था ध्वस्त महंगाई पर भी लगाम नहीं

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा भाजपा राज में यूपी की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। इसी वजह से अपराध की घटनाएं रोजाना बढ़ रही है। उन्होंने कहा योगी सरकार एक विशेष समुदाय को टारगेट कर रही है, जो कि ठीक नहीं है। मुख्यमंत्री का दायित्व होता है कि सबके साथ बराबर का न्याय करें। किसी के साथ भेदभाव न करें। अखिलेश ने कहा गरीबों की मदद भाजपा सरकार नहीं कर रही है। इसी वजह से गरीब वर्ग ही नहीं, हर वर्ग भाजपा से परेशान है। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार को महंगाई पर भी नियंत्रण लगाना चाहिए।

जमानत पर हैं, बरी नहीं हुए हैं: आजम

» प्रत्याशी के समर्थन में बोले, भाजपा ताजमहल का मुकदमा भी लिखवा देती हमारे खिलाफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामपुर में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां ने कहा कि मुल्क, सूबे और आपकी बेहतरी के लिए हमने और हमारे अपनों ने क्या-क्या नहीं सहा। सैकड़ों मुकदमे दर्ज हैं। किताबें-फर्नीचर और मुर्गी चोरी नहीं, डकैती की धाराएं हमारे ऊपर लगाई गई हैं। हमारे मुखालिफों ने हमारा मयार बहुत हल्का रखा। उन्हें अगर यानी भाजपा मुकदमा कराना ही था, तो कुतुबमीनार और ताजमहल चोरी का कराते।

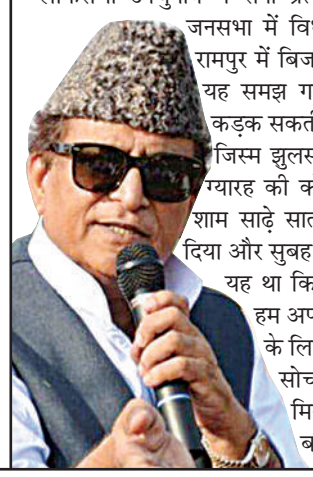

लोकसभा उपचुनाव में सपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभा में विधायक आजम खां ने कहा कि रामपुर में बिजली कड़की, लेकिन वे लोग भी यह समझ गए होंगे कि रामपुर में बिजली कड़क सकती है, लेकिन रामपुर के लोगों का जिस्म झुलसाया नहीं जा सकता। आठ बाई ग्यारह की कोठरी में बंद एक आदमी जिसे शाम साढ़े सात बजे डबल लॉक में बंद कर दिया और सुबह को छह बजे खोला जाए। गुनाह यह था कि हमने हर लम्हा यह सोचा कि हम अपने रामपुर, सूबे और मुल्क वालों के लिए क्या बेहतर कर सकते हैं। इसी सोच और इस गुनाह की सजा हमें मिली। अभी तो हम जमानत पर हैं, बरी नहीं हुए हैं।

अचानक होने वाले दंगों में हेलिकॉप्टर से रखी जाएगी नजर: अवस्थी

» योगी सरकार ने ब्रिटेन की तरह दंगा नियंत्रण करने की बनाई योजना

» आपदा और मेडिकल इमरजेंसी में भी मिलेगी हेलिकॉप्टर की सुविधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार अब हिंसा ना फैले इसके लिए अब हेलिकॉप्टर का प्रयोग करने जा रही है। इसके लिए योगी सरकार ने ब्रिटेन की तरह दंगा रोकने की योजना बनाई है। इसको लेकर यूनाइटेड किंगडम के डिफेंस एंड सिक्योरिटी एक्सपर्ट ब्रिटिश हाई कमिश्नर एयरवेज हेलीकॉप्टर के डेलिगेशन गृह विभाग को अपना ब्लूप्रिंट दिखाया है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी के मुताबिक, यूपी में दंगा को नियंत्रण करने के लिए पुलिस इनकी जरूरत है। साथ ही पर्यटन, आपदा और मेडिकल सेवाओं के लिए भी हेलिकॉप्टर अब सबसे ज्यादा मददगार साबित होगा।

पुलिस के द्वारा दंगा पर नियंत्रण करने के लिए भीड़ को कंट्रोल करने के लिए हेलिकॉप्टर के प्रयोग का प्रस्ताव बनाया गया है। अचानक होने वाले दंगों में हेलिकॉप्टर से नजर भी रखी जाएगी। उसके साथ ही नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई की हेलिकॉप्टर से की जा सकेगी। अवनीश अवस्थी के मुताबिक, मल्टी यूज हेलिकॉप्टर उत्तर प्रदेश में प्रयोग किया जाएगा। साथ ही बड़े मेलों या कावड़ यात्रा के दौरान यातायात मैनेजमेंट में भी हेलिकॉप्टर का प्रयोग होगा। अवनीश अवस्थी ने बताया कि दंगा नियंत्रण, पुलिसिंग, पर्यटन, आपदा और मेडिकल सेवाओं में हेलिकॉप्टर बहुत सुविधाजनक होगा। इसका प्रजेंटेशन देखा गया है। एयरबस के प्रतिनिधियों से पर्यटन, पुलिसिंग और ट्रामा में हेलिकॉप्टर के उपयोग के संबंध में प्रस्ताव भी मांग लिया है। साथ ही पुलिस द्वारा भीड़ नियंत्रण, राशन पहुंचाने का काम, आपदा प्रबंधन, मेडिकल इमरजेंसी, नक्सल एरिया की निगरानी में भी हेलिकॉप्टर के प्रयोग का प्रस्ताव मांगा गया है।

हिंसा के दौरान उपद्रवियों पर रहेगी नजर

यूपी में पिछले दो जुमे पर कानपुर, प्रयागराज, सहारनपुर, मुरादाबाद समेत अन्य जगहों पर हिंसा भड़की। पैगंबर मोहम्मद पर भाजपा की प्रवक्ता रहीं नूपुर शर्मा के बयान के विरोध में ये हिंसा हुई। माना जा रहा कि आने वाले जुमे यानी शुक्रवार को सुरक्षा बढ़ाने के लिए सरकार इस कदम की ओर बढ़ रही है। जहां भी हिंसा होगी, उस क्षेत्र की निगरानी हेलिकॉप्टर से की जाएगी। इस हेलिकॉप्टर से आर्थिक विकास, कौशल विकास और राजस्व बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

दस लाख भर्ती की घोषणा चुनावी छलावा : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अगले डेढ़ साल में दस लाख भर्ती की घोषणा चुनावी छलावा है। मायावती ने कहा कि केंद्र की गलत नीतियों के कारण देश में गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। ऐसे में जब लोकसभा चुनाव नजदीक है, तब 10 लाख भर्ती की घोषणा चुनावी राजनीति से प्रेरित लगती है।

उन्होंने दलित और पिछड़ा वर्ग की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि समाज के इस वर्ग के लोग गरीबी और बेरोजगारी की मार सबसे ज्यादा झेल रहे है मगर सरकार खामोश है। बसपा अध्यक्ष ने ट्वीट किया कि केंद्र की गलत नीतियों व कार्यशैली के कारण गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी व रुपए का अवमूल्यन आदि अपने चरम पर है जिससे सभी त्रस्त व बेचेन हैं, तब केंद्र ने अब अगले डेढ़ वर्ष में अर्थात लोकसभा आमचुनाव से पहले 10 लाख भर्ती की घोषणा की है जो यह कहीं नया चुनावी छलावा तो नहीं है। उन्होंने कहा सरकारी पद वर्षों से रिक्त हैं, जिनको भरने की मांग बीएसपी संसद लगातार करती रही है।

शिया वक्फ बोर्ड सदस्य पद से हटाए गए वसीम रिजवी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड में दो परिवर्तन किए गए हैं। टीले वाली मस्जिद के इमाम सुन्नी सेंट्रल बोर्ड ने मौलाना अब्दुल मन्नान रहमानी को उनके पद से बर्खास्त कर दिया है। उनके तकरीर और नमाज पढ़ने पर पाबंदी लगा दी गई है। वहीं शिया बोर्ड ने वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण त्यागी को पद से हटा दिया है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र त्यागी को शिया वक्फ बोर्ड के सदस्य पद से हटा दिया है।

वसीम 2021 में कोर्ट से बोर्ड के सदस्य बने थे। हिंदू धर्म अपनाने के बाद शिया वक्फ बोर्ड की ओर से उनको हटाए जाने को लेकर राज्यपाल को पत्र भेजा गया था। बीते दिनों जुमे की नमाज के बाद टीले वाली मस्जिद पर नारेबाजी की गई थी। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल बोर्ड के कार्यालय की तरफ से जारी किए गए पत्र में यह जानकारी दी गई है कि जुमे की नमाज कुशवाहा तकरीर नमाज ए मौलाना वासी हसन या सैयद इम्तियाज हुसैन और फैजी द्वारा पढ़ाई जाएगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।